विचार बिन्दु

संसार के विरुद्ध खड़े रहने के लिए शक्ति प्राप्त करने की जरूरत नहीं है। ईसा दुनिया के खिलाफ खड़े रहे, बुद्ध भी अपने जमाने के खिलाफ गए, प्रहलाद ने भी वैसा ही किया। ये सब नम्रता के धनि थे। अकेले खड़े रहने की शक्ति नम्रता के बिना असंभव है। –महात्मा गाँधी

गर्मी में पशु-पक्षियों का भी रखें खयाल

गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है और इस चिलचिलाती धूप में बार-बार प्यास लगना स्वाभाविक है। तापमान का पारा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। विशेषकर राजस्थान में तापमान 46 डिग्री तक पहुँच गया है। बढ़ती गर्मी लोगों के साथ ही पक्षियों के लिए भी बेहाल करने लगी है। पक्षी इस मौसम में ज्यादा प्रभावित होते हैं। मानव जैसे-तैसे इस भीषण गर्मी से सुरक्षित रख पाता है, लेकिन आवारा पशु व पक्षियों के लिए ये गर्मी मुश्किलें पैदा करती हैं खाना और पानी की खोज में लगातार धूप में उड़ते रहने से वे कमजोर हो जाते हैं। इस तपती गर्मी में पेड़ों की लगातार कमी और सूखते जल स्त्रोत की वजह से पक्षी और अन्य जानवर आश्रय और दाना पानी की तलाश में इधर उधर भटकते रहते हैं। आदमी को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु-पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए।

गर्मियों का मौसम मानव के साथ-साथ पशु पक्षियों के लिए बहुत कष्टप्रद होता है। इस बार मार्च की अपेक्षा अप्रैल के महीने से तेज गर्मी देखने को मिली। गर्मी ने पशु-पक्षियों को चपेट में लेना शुरू कर दिया है। पशु-पक्षियों को जिंदा रहने के लिए हर रोज पानी की जरूरत होती है।

गर्मियों में हर साल सैकड़ों पक्षी और आवारा पशु पानी की कमी से मर जाते हैं। तेजी से कम होते प्राकृतिक जल स्त्रोत और पेड़ों की कमी से इन बेजुबानों की स्थिति विकट हो गई है।

गर्मियों में पक्षियों को भी प्यास अधिक लगती है जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है।

गर्मियों का मौसम मानव के साथ-साथ पशु पक्षियों के लिए बहुत कष्टप्रद होता है। गर्मियों में हर साल सैकड़ों पक्षी और आवारा पशु पानी की कमी से मर जाते हैं। तेजी से कम होते प्राकृतिक जल स्त्रोत और पेड़ों की कमी से इन बेजुबानों की स्थिति विकट हो गई है। गर्मियों में पक्षियों को भी प्यास अधिक लगती है जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है।

गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है और इस चिलचिलाती धूप में बार-बार प्यास लगना स्वाभाविक है। तापमान का पारा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। विशेषकर राजस्थान में तापमान 46 डिग्री तक पहुँच गया है। बढ़ती गर्मी लोगों के साथ ही पक्षियों के लिए भी बेहाल करने लगी है। पक्षी इस मौसम में ज्यादा प्रभावित होते हैं। मानव जैसे-तैसे इस भीषण गर्मी से सुरक्षित रख पाता है, लेकिन आवारा पशु व पक्षियों के लिए ये गर्मी मुश्किलें पैदा करती हैं खाना और पानी की खोज में लगातार धूप में उड़ते रहने से वे कमजोर हो जाते हैं। इस तपती गर्मी में पेड़ों की लगातार कमी और सूखते जल स्त्रोत की वजह से पक्षी और अन्य जानवर आश्रय और दाना पानी की तलाश में इधर उधर भटकते रहते हैं। आदमी को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु-पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए।

गर्मियों का मौसम मानव के साथ-साथ पशु पक्षियों के लिए बहुत कष्टप्रद होता है। इस बार मार्च की अपेक्षा अप्रैल के महीने से तेज गर्मी देखने को मिली। गर्मी ने पशु-पक्षियों को चपेट में लेना शुरू कर दिया है। पशु-पक्षियों को जिंदा रहने के लिए हर रोज पानी की जरूरत होती है।

गर्मियों में हर साल सैकड़ों पक्षी और आवारा पशु पानी की कमी से मर जाते हैं। तेजी से कम होते प्राकृतिक जल स्त्रोत और पेड़ों की कमी से इन बेजुबानों की स्थिति विकट हो गई है।

गर्मियों में पक्षियों को भी प्यास अधिक लगती है जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है।

गर्मी की तपन के साथ बेजुबान जानवरों की परेशानियां बढ़ गयी। एक जमाना था जब देश भर में पानी के प्राकृतिक स्त्रोत मौजूद थे। मगर आज पानी के प्राकृतिक स्त्रोत न के बराबर हैं। जो बचे भी हैं उनका पानी पीने योग्य नहीं है। ऐसे में आप तो अपने घर में साफ पानी की व्यवस्था कर लेते हैं मगर जानवरों और पक्षियों को इन्हीं गंदे पानी के स्त्रोतों से प्यास बुझानी पड़ती है जिससे इनको फायदा कम होता है बल्कि ये बीमार भी हो जाते हैं। घरों के आँगन तथा छत पर पंछियों के लिए छोटे-छोटे पात्रों में जल भरकर रखना चाहिए, जिससे गर्मी में थक कर आये पक्षी जल ग्रहण कर पुन: अनंत आकाश में गोता लगा सकें। गर्मी की तपन से इन्हें बचाने के लिए जिस तरह इंसान को शुद्ध पानी और वायु की जरूरत होती है, उसी प्रकार गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए पानी का इंतजाम लोग करते हैं, ताकि पक्षियों को भी जीवन मिल सके।

पशु-पक्षियों की सेवा करने वाले लोगों का मानना है घर की छतों पर पक्षियों के लिए दाना पानी रखने से घर में स्मृद्धि आती है। शास्त्रों में बेजुबान जानवरों की सेवा करने के लिए कहा गया है। इसका भी अपना धार्मिक महत्व है। साथ ही पशुओं और पक्षियों की सेवा करने से मन को काफी शांति मिलती है। ज्योतिष के अनुसार भी पक्षियों को पाने पिलाने के बहुत से फायदे हैं। पशु-पक्षियों को दाना और पानी पिलाने से भविष्य में आपके ऊपर आने वाली परेशानियां ये बेजुबान जानवर अपने ऊपर ले लेते हैं। इसके अलावा यह आपके ग्रह संबंधी दोषों को भी दूर करते हैं जिससे आपकी परेशानियां कम होने लगती है।

गर्मी शुरू होते ही समाज सेवी लोग जगह-जगह प्याऊ की व्यवस्था करते है। आज जरुरत इस बात की है की ठीक वैसे ही पक्षियों के लिए भी प्याऊ की व्यवस्था की जाये ताकि उन्हें भी गर्मी में साफ और ठंडा पानी मिल सके। साफ पानी न मिलने से उन्हें गर्मी में ज्यादा तकलीफ होती है। पानी खत्म होते ही दूसरा पानी और गर्म होते ही ठंडा पानी भरें, ताकि जानवरों को भी शुद्ध और ठंडा पानी मिल सके। घर के बाहर या बालकनी में छांव वाली जगह पर बर्तन में पानी भरकर रखें। पानी और दाना आदि रख रहे हैं तो नियमित तौर पर इसे बरकरार रखें। इस चीज को सुनिश्चित कर लें कि पानी का बर्तन जानवर या पक्षी के आकार के लिहाज से उचित हो, ज्यादा छोटा या ज्यादा बड़ा बर्तन भी ठीक नहीं। एक समय ऐसा भी था जब लोग अपने घरों के बाहर जानवरों के लिए पानी के छोटे कुंड बनाते थे मगर शहरीकरण के कारण यह व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गयी। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है।

इस गर्मी में पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे व पशुओं को तपती गर्मी में यहां-वहां पानी के लिए भटकना पड़ता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 27 मई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, मघा नक्षत्र रात्रि 11:43 तक, व्याघात योग सांय 7:56 तक, वणिज करण प्रात: 7:43 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 7:43 से रात्रि 8:50 तक है। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:20 से 9:01 तक, चर 12:24 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 5:28 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:09

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

वृष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धन प्राप्त होगा।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर "मैराथन" का आयोजन

अजमेर, (कासं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत तंबाकू से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों में जागरुकता लाने के लिए शुक्रवार को मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनुज पिंगोलिया ने बताया कि

मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर व आसमान में गुब्बारे छोडक़र जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित रवाना किया।

- तंबाकू व नशा मुक्ति के प्रति आमजन को किया जागरूक

विश्व तंबाकु निषेध दिवस के उपलक्ष्य में तम्बाकु निषेध सप्ताह 25 मई से 31 मई तक निर्धारित की गई। इसमें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। ब्लॉक स्तर पर भी एसडीएम की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय कमेटी का गठन कर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

शुक्रवार को आमजन को जागरूक करने के लिए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन प्रात: पुरानी चौपाटी आनासागर लिंक रोड से शुरू हुई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए अरबन हाट वैशाली नगर पर संपन्न हुई। मैराथन की समाप्ति पर जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने संबोधित करते दौड़ में भाग लेने वाले युवाओं की हौंसला अफजाई भी की।

कलेक्टर डॉ. दीक्षित ने मैराथन विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत भी किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने खुले आसमान में रंगबिरंगे गुब्बारे छोड़ कर सभी से तंबाकू छोडे का आव्हान किया। सभी उपस्थित जनों ने तंबाकू सेवन नहीं करने एवं अन्य लोगों को इसके लिए जागरूक करने के लिए संकल्प लेते हुए हस्ताक्षर किए। मैराथन में लायंस क्लब, अजमेर साईकिल कम्युनिटी, नर्सिंग स्टूडेंट, चिकित्सा विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों, विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों सहित आमजन ने भाग लिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संपत जोधा, लायंस क्लब की स्वस्थ्य भारत की डिस्ट्रिक चेयरपर्सन आभा गांधी, राजेंद्र गांधी, सुनील शर्मा, श्रीकिशन पारीक, जगदीश विजय, पुष्पा क्षेत्रपाल सहित अन्य मौजूद थे।

'स्काउटिंग हमें वास्तविक जीवन कला से रूबरू करवाती है'

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय के तत्वावधान में मुख्य जिला आयुक्त गोविंद नारायण माली एवं जिला संगठन आयुक्त इंदु तंवर के निर्देशानुसार श्यामपुरा में राजकीय विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण शिविर में सीबीईओ रामगढ़ पचवारा एवं प्रभारी कमिश्नर स्काउट मुरारी लाल जांगिड़, अतिरिक्त सीबीईओ बिहारी लाल वर्मा, स्काउट

स्काउट गाइड से जुड़े पदाधिकारियों ने शिविर का निरीक्षण किया।

- श्यामपुरा के राजकीय विद्यालय में सात दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सचिव श्रीकान्त शर्मा ने शिविर का निरीक्षण किया।

इसके दौरान सर्वप्रथम अतिथियों का शिविर प्रभारी रामकेश माली एवं सहायक प्रभारी रामखिलाड़ी मीना द्वारा स्कार्फ़, गॉर्ड ऑफ ऑनर एवं तिलक द्वारा स्वागत किया गया। रामगढ़ पचवारा सीबीईओ मुरारी लाल जांगिड़ ने बतौर मुख्य अतिथि झंडा रोहण कर शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुये एसीबीईओ बिहारी लाल ने कहा कि स्काउटिंग हमें वास्तविक जीवन कला से रूबरू करवाती है, हमें सेवा भाव सिखाती है एवं नर सेवा ही नारायण सेवा वाला भाव देती है। इस दौरान सीबीईओ मुरारी लाल जांगिड़ ने कहा कि स्काउटिंग जीवन में श्रेष्ठ अनुशासन सिखाती है, स्काउटिंग एक जीवंत आंदोलन है।

इस दौरान सहायक शिविर प्रभारी रामखिलाड़ी मीना ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि मूलचन्द मीना टीटी कॉलेज के 33 स्काउट 27 गाइड सहित कुल 60 संभागी भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि शिविर कला, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, 7 प्राथमिक 6 चिकित्सा, दिशा ज्ञान, खोज चिन्ह, स्काउटिंग उद्देश्य, सिद्धान्त आदि के बारे में जानकारी दी गयी। शिविर में कमल प्रकाश शर्मा, जितेंद्र शर्मा, सीमा मीणा, युवराज प्रजापत, मयंक शर्मा उपस्थित रहे।

केन्द्रीय कारागृह व महिला सुधारगृह का निरीक्षण

अजमेर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामपाल जाट द्वारा शुक्रवार को केन्द्रीय कारागृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंदियों से मुलाकात की गई व जिन बंदियों के विधिक सहायता के आवेदन पत्र नहीं भरे हुए हैं उनके आवेदन पत्र भरे जाने के निर्देश प्रदान किए। केन्द्रीय कारागृह में मुलाकात कक्ष में बंदयों से उनके परिवारजनों से मुलाकात करवाई जा रही थी।

साथ ही टेलिफोन के माध्यम से भी बंदियों को उनके परिवारजनों से बात करने के लिए कारागृह द्वारा व्यवस्था करवाई जा रही थी। बंदियों से उनके परिवारजनों से मिलने का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहता है। प्रत्येक वार्ड की हेल्प डेस्क पंजिका बनाई गई है। जिसमें बंदी अपनी परेशानी के बारे में लिखते हैए उसकी भी जांच सचिव द्वारा की गई। केन्द्रीय कारागृह में बंदियों के लिए बनाए जा रहे भोजन की गुणवत्ता को भी जांचा गया। साथ ही केन्द्रीय कारागृह में वोकल बैंड प्रशिक्षण भी दिया जा रहा था और उद्योग शाल में सिलाईए सलून, हैंडीक्राफ्ट के अलग अलग प्रशिक्षण दिए जा रहे थे। केन्द्रीय कारागृह में कुल 1131 बंदी है जिनमें विचाराधीन बंदी 763, विदेशी बंदी 2, साधारण बंदी 77 लाचार बंदी 25, टाडा बंदी 3 है। साथ ही महिला सुधारगृह का भी निरीक्षण किया गयाए जिसमें महिला बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा और जिनके पास अधिवक्ता नहीं है उनके नि:शुल्क विधिक सहायता के आवेदन फॉर्म भरवाए जाने के निर्देश दिए और साथ ही महिला बंदियों को शिक्षा का महत्व भी समझाया गया।केन्द्रीय कारागृह व महिला सुधारगृह का निरीक्षण किया।

छात्र-छात्राओं का सम्मान

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा 2023 के 12 वीं कला वर्ग के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता संस्था प्रधान राजेश कुमार अंकुर ने की, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि घीसा राम जाट रहे। कला वर्ग में विद्यालय के टॉपर लवली शर्मा द्वारा 92.60 प्रतिशत, उर्मिला सैनी 89.80 प्रतिशत, राहुल कुमार सैनी 84.60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर सम्मान किया गया। प्रधानाचार्य द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को हवाई यात्रा करवाएंगे तथा विनोद कुमार यादव उपाचार्य ने बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को 21 हजार रुपए देने की घोषणा की वही मुख्य अतिथि घीसाराम द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को 21 सौ रुपए देने की घोषणा की।

रेलवे ने तिरुपति से जयपुर स्पेशल ट्रेन को वाया चिड़ावा होते हुए हिसार तक दिया विस्तार

चिड़ावा, (निसं)। रेलवे ने क्षेत्र को एक और बड़ी सौगात दी है। अब चिड़ावा से दक्षिण भारत के लिए सीधी ट्रेन मिल सकेगी। चिड़ावा से अब प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुपति के लिए सीधी रेल सेवा को रेलवे की मंजूरी मिली है। तिरुपति से जयपुर के बीच चलने वाली ट्रेन को हिसार तक विस्तार दिया गया है। रेलवे जीएम की ओर से जारी आदेश में ट्रेन संख्या 09715 हिसार – तिरुपति को 3 जून 2023 को जयपुर से शुरू होगी तो वहीं 6 जून 2023 को ट्रेन संख्या 09716 तिरुपति से रवाना होकर हिसार आएगी।

सप्ताह में एक दिन ही चलेगी ट्रेन:- लंबा सफर होने के चलते ये ट्रेन सप्ताह में एक दिन ही चलेगी। ये ट्रेन शनिवार को हिसार से दोपहर 2.10 बजे रवाना होगी और चिड़ावा शाम को सवा पांच बजे पहुंचेगी। तीसरे दिन सोमवार को 42.50 घंटे का सफर तय कर सुबह नौ बजे तिरुपति पहुंचेगी। वहीं तिरुपति से मंगलवार को शाम चार बजे रवाना होकर 40.30 घंटे का सफर तय कर गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे चिड़ावा पहुंचेगी और दोपहर एक बजे हिसार पहुंचेगी। चिड़ावा सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र के लिए रेलवे की ये बहुत बड़ी सौगात है। काफी समय से ऐसी ट्रेन की मांग की जा रही थी। दरअसल शेखावाटी क्षेत्र के लोग धर्मकर्म में बहुत ज्यादा आस्था रखते हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में दक्षिण भारत के धार्मिक स्थल तिरुपति, रामेश्वरम, मीनाक्षी मंदिर, पद्मनाभ मंदिर सहित अन्य मंदिरों में दर्शनार्थ हजारों की संख्या में श्रद्धालु हर साल यहां से दक्षिण भारत जाते हैं। इसके अलावा दक्षिण भारत के पर्यटक स्थलों पर भी काफी लोग हमारे क्षेत्र से भ्रमण के लिए जाते हैं। अब सीधी रेल कनेक्टिविटी होने से पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों को काफी सहूलियत रहेगी।

नहर योजना को लेकर अलवर से निकली जनसम्पर्क यात्रा हिण्डौन पहुंची

भरतपुर, (निसं)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना संयुक्त मोर्चा की जनसम्पर्क यात्रा अलवर जिले से चलते हुए जिला कलेक्ट्रेट पर पर पहुंची। जहां पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष जवान सिंह मोहचा के नेतृत्व में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने एवं इस परियोजना में अति महत्वपूर्ण

ए.डी.एम. सिटी बीना महावर को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

- इस परियोजना में अति महत्वपूर्ण बांधों को जोड़ने की मांग की

बांधों को जोड़ने की मांग को लेकर एडीएम सिटी बीना महावर को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पानी का अभाव है। पानी की कमी के कारण फसल उत्पादन, पशुपालन, उद्योग धंधे और जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है। इन जिलों में भूजल स्तर बहुत नीचे जा चुका है। इस वजह से पेयजल की स्थिति बहुत चिंताजनक है। बोरवेल में लाखों खर्च करने के बावजूद किसानों को पानी नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते काफी किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे है। पूर्वी राजस्थान के कई हिस्सों में तो किसान फसल ही नहीं कर पा रहे हैं। पिछले कई महीनों से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को लेकर 13 जिलों की आम जनता राज्य सरकार व केन्द्र सरकार से अनुरोध कर रही है। कि इस पर जल्द से जल्द कार्य शुरू कर पानी की समस्या का समाधान किया जाए।